भारतीय वैद्यक समन्वय समिति द्वारा संचालित
RUN BY BHARTIYA VAIDYAK SAMANVAYA SAMITI

Phone : Col. : 0712-2742592
Fax : 0712-2742592
Hos. : 0712-2744868

श्री आयुर्वेद महाविद्यालय
SHRI AYURVED MAHAVIDYALAYA

(Recognised by the Govt. of Maharashtra and Central Council of Indian Medicine, New Delhi)
(Affiliated to Maharashtra University of Health Sciences, Nashik & RTM Nagpur University, Nagpur)

DHANVANTARI MARG, HANUMAN NAGAR, NAGPUR- 440 024 (M.S.)
www.shriayurvednagpur.org email-shriayurved@gmail.com

Ref. No. 254

Date: 16.02.2017

अनुक्त व्याधियों की आयुर्वेद में वर्णित चिकित्सा

नागपुरः 16/02/2017

आयुर्वेद में एड्स,कैन्सर एवं सिकलसेलएनिमिया जैसी व्याधियों की चिकित्सा एवं आहार–विहार उपलब्ध है। उक्त उद्‌गार श्री आयुर्वेद महाविद्यालय के स्नातकोत्तर सभागृह में आयुर्वेद वाचस्पति श्री वैद्य पं. गुलराज शर्मा मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला में वक्ताओं ने व्यक्त किए। ''अनुक्त व्याधियों के संहितोक्त चिकित्सा सूत्र '' इस विषय पर बोलते हुये श्रीमती कमलादेवी गौरीदत्त मित्तल पुनर्वसु आयुर्वेद महाविद्यालय, मुंबई के कायचिकित्सा विभाग के प्राध्यापक डॉ. हरीष सिंह ने कहा कि, एड्स जैसी भयंकर बीमारी की चिकित्सा आयुर्वेद के द्वारा भी संभव है। आयुर्वेद के द्वारा बताए गए चिकित्सा सिध्दांत एवं आहार–विहार के द्वारा एड्स के रोगियों के आयु की वृध्दि की जा सकती है।

अथर्व आयुर्वेदिक मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं कैन्सर अनुसंधान केंद्र, राजकोट गुजरात के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. गौरांग जोशी ने कैन्सर की आयुर्वेद चिकित्सा के बारे में अपने अनुभव आयुर्वेद विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों, शिक्षकों के समक्ष उपस्थित किए।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, नागपुर के रोगविज्ञान एवं विकृति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. घनश्याम कोडवानी जी ने आयुर्वेद में बताए गए असाध्य व्याधियों एवं अनुक्त व्याधियों के बारे में आहार–विहार एवं चिकित्सा सिध्दांतों का शास्त्रोक्त प्रतिपादन किया।

प्रारंभ में अतिथियों ने भगवान धन्वन्तरि एवं वैद्य श्री मिश्र जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यकम का शुभारंभ किया। भारतीय वैद्यक समन्वय समिति के सचिव डॉ. गोविंद प्रसाद उपाध्याय जी ने प्रस्तावना एवं वैद्य श्री गुलराज शर्मा मिश्र का परिचय प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संहिता सिद्धान्त विभागाध्यक्ष प्रो. बृजेश मिश्र जी ने किया।

मंच पर प्रो. हरीष सिंह (मुंबई), वैद्य श्री गौरांग जोशी (गुजरात), वैद्य घनश्याम कोडवानी (नागपुर), डॉ. गोविंद प्रसाद उपाध्याय, वैद्य वेदप्रकाशजी शर्मा, डॉ. रामकृष्ण छांगाणी, डॉ. मृत्युंजय शर्मा, प्रो. रमण बेलगे, प्रो. बृजेश मिश्र उपस्थित थे।

कार्यकम का संचालन श्रीमती डॉ. गायत्री व्यास ने एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मृत्युंजय शर्मा ने किया। कार्यकम में सर्वश्री सुरेश शर्मा (भारतीय वैद्यक समन्वय समिति अध्यक्ष), वैद्य वेदप्रकाशजी शर्मा, डॉ. रामकृष्ण छांगाणी, डॉ. मृत्युंजय शर्मा, डॉ. जयकृष्ण छांगाणी, प्रो. रमण बेलगे, प्रो. अर्चना बेलगे, प्रो. प्रमोद गर्जे, प्रो. अर्चना दाचेवार, डॉ. स्नेहविभा मिश्रा, डॉ. माया कांबळे, डॉ. आशिष गोतमारे, प्रो. देवयानी ठोकळ, डॉ. रचना रामटेके, डॉ. हरीष पुरोहित, डॉ. किरण टवलारे, डॉ. विनोद रामटेके, डॉ. सुरेखा लांडगे, डॉ. सुरेश नेहाते,डॉ. सीताराम राखुंडे, डॉ. योगेश बडवे, डॉ. गोविंद तुंडलवार, प्रो. विनोद चौधरी,प्रो. अश्विन निकम, डॉ. उदय पावडे, डॉ. अरूण भटकर, डॉ. शरद लोखंडे, प्रो. मीरा औरंगाबादकर,डॉ. भावना भलमे,डॉ. प्रिया भगत, डॉ. भागवे, डॉ. डोरले, डॉ. अजया येरणे,डॉ. मिलिंद कांबले,डॉ. गोविंद असाटी एवं स्नातक– स्नातकोत्तर शोध छात्र–छात्राएं बडी संख्या में उपस्थित थे।